

मजदूर वर्ग विरोधी कोई संशोधन नियत न किए जाएं। (3) आयात पर मात्रात्मक प्रतिबंधों को फिर से लाया जाए ताकि राष्ट्र के उद्योग और कृषि तथा राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जा सके। (4) बेरोजगारी बढ़ाने वाली नीति को खारिज करके राष्ट्रीय स्तर पर रोजगारों के सृजन की नीतियां और कार्यक्रम अपनाए जाएं। (5) सामाजिक सुरक्षा योजनाएं बनाई जाएं जिनमें बेरोजगार-बीमा भी शामिल हो। (6) खेतिहर मजदूरों की सुरक्षा के लिए व्यापक कानून पारित किए जाएं। (7) बोनस के भुगतान संबंधी अधिनियम में संशोधन करके उस पर सभी हदबंदियों को खत्म किया जाए। (8) भविष्यनिधि में जमा राशि पर बारह प्रतिशत की ब्याज की दर को फिर से लागू किया जाए। यह भारत के मजदूर वर्ग की मांग है। भारतीय संसद इसकी उपेक्षा नहीं कर सकती। मजदूरों की इस राष्ट्रीय एसेम्बली में इन मांगों पर देश व्यापी आंदोलन चलाने का निर्णय किया है। सरकार से मेरी मांग है कि श्रमिकों की सभी वाजिब मांगों को पूरा करे और भारत के श्रमिक वर्ग को उनके भविष्य के प्रति आश्वस्त करे।

SHRI RAMACHANDRA KHUNTIA (Orissa): Sir, I associate myself with this Special Mention.

श्रीमती चन्द्रकला पांडे (पश्चिमी बंगाल): महोदय, मैं अपने आपको इस विषय के साथ सम्बद्ध करती हूँ।

श्री गया सिंह (बिहार): महोदय, मैं अपने आपको इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

Lifting of ban on shipping service between Rameswaram and Thalaimannar

SHRI M. A. KADAR (Tamil Nadu): Sir, the Union Minister of Shipping has recently announced that a shipping service between Tuticorin and Colombo will be started shortly. Due to the outbreak of internal disturbances in Sri Lanka, the shipping service between Rameswaram and Thalaimannar was stopped, as a result of which many people were rendered unemployed and the economic condition of the people at Rameswaram was also badly hit. Since there is peace prevailing now in Sri Lanka, the people of Rameswaram are expecting the resumption of the shipping service between Rameswaram and Thalaimannar. But, instead of resuming the service between Rameswaram and Thalaimannar, the Government is giving preference to the Tuticorin-Colombo shipping service. I suggest that it would be better to resume first the shipping service between Rameswaram and Thalaimannar which is only 28 kms., which will benefit the people of Rameswaram and also give employment to the labourers there. Moreover, it will also benefit the commerce and industry in Ramnad District, which is a very backward district of Tamil Nadu.

Sir, the sailing time between Rameswaram and Thalaimannar is two-and-a-half hours, and the fare is also less than Rs.1000. Compared to

this, the sailing time between Tuticorin and Colombo is 12 hours, and the fare is Rs.3000, which is very high.

I request the hon. Minister of Shipping to immediately lift the ban on shipping service between Rameswaram and Thalaimannar.

SHRI C. P. THIRUNAVUKKARASU (Pondicherry): I associate myself with what the hon. Member has said.

Electrification of villages

श्रीमती सविता शारदा (गुजरात): सभापति महोदय, मेरा आज का विशेष उल्लेख ग्रामीण विद्युतीकरण के संबंध में है। वैसे तो संपूर्ण देश में बिजली का संकट गंभीर होता जा रहा है। स्वतंत्रता प्राप्ति के 50 वर्ष से भी अधिक होने के बावजूद ऐसे गांवों की संख्या काफी अधिक है जहां पर बिजली का नामो निशान नहीं है और ग्रामीण विद्युतीकरण का काम काफी धीमी गति से हो रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अभी भी 80,000 गांव ऐसे हैं जहां पर विद्युतीकरण नहीं हुआ है जबकि वास्तविकता इससे काफी परे है क्योंकि जिस गांव के पास एक भी ऐसा बल्ब जलता है उसकी भी गिनती विद्युतीकरण में कर ली जाती है जबकि पूरा गांव अंधेरे में डूबा रहता है। अधिकांश गांवों की चर्चा न भी करें तो जिन गांवों का विद्युतीकरण सरकार वरीयता के आधार पर भी करती है उनका भी विद्युतीकरण नहीं हुआ है। गुजरात राज्य में भी अनेक गांव ऐसे हैं जहां पर अनुसूचित जाति और जनजाति के लोग रहते हैं और सरकार इनका विद्युतीकरण उच्च वरीयता व प्राथमिकता के आधार पर करने का आदेश भी देती रहती है किन्तु मुझे खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि सरकार की प्राथमिकता के बावजूद भी गुजरात राज्य में स्थित ऐसे भी गांवों का विद्युतीकरण नहीं हो पाया है। अतः मेरा केन्द्रीय विद्युत मंत्री से विशेष रूप से अनुरोध है कि गुजरात राज्य में स्थित अनुसूचित जाति एवं जनजाति बहुल गांवों के विद्युतीकरण के लिए अविलम्ब आर्थिक सहायता प्रदान करने की कृपा करें ताकि गुजरात राज्य के कम से कम ऐसे गांवों का विद्युतीकरण हो जाए। उन गांवों में रहने वाले अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों को बिजली मिल सके। धन्यवाद।

Suicides by cotton growers in Andhra Pradesh

SHRI K. M. KHAN (Andhra Pradesh): Sir, I wish to draw the attention of this House to the miserable plight of cotton growers in Andhra Pradesh. Due to the failure of monsoon for the past several years and continued drought situation, the farmers have been put to a great difficulty. It is reported that one young cotton grower from Karimnagar District of Andhra Pradesh, Shri K. Malleshram, committed suicide on 12.7.2002, since his crop had failed because of bad weather and he had taken loan for farming. Suicides by farmers has become a regular phenomenon in Andhra